महिलाओं में क्षमता विकास पर जोर

सम्मेलन

हिन्दुस्तान, 08/03/2020

श्रीनगर | हमारे संवाददाता

हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्किल एवं इंटरप्रेनियरशिप विषय पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय महिला समन्वयक सुश्री गीता ताई गुंडे ने कहा कि अच्छे उद्यमी बनने हेतु महिलाओं में आत्मविश्वास व दक्षता विकास हेतु प्रयास आवश्यक हैं।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के जीवन की विविध चुनौतियों तथा समस्याओं के साथ ही इनके समाधान पर भी प्रकाश डाला। मौके पर विवि के कार्यवाहक कुलपति प्रो. एससी बागड़ी ने कहा कि विश्वविद्यालयों को ग्रामीण क्षेत्रों में आउटरीच कार्यक्रमों, कौशल विकास तथा सफल महिलाओं के जीवन अनुभवों को प्रसारित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। फेकल्टी डेवलपमेंट सेंटर की निदेशक प्रो. इंदू पांडेय खंडूड़ी ने कहा कि महिलाओं को पुरूषों का अनुकरण करने के स्थान पर अपने विचारों की स्वतंत्रता तथा स्वयं को सशक्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मौके पर प्रो. एआर नौटियाल, प्रो. एसएस रावत, प्रो. सीमा धवन, प्रो. विनीत शर्मा, प्रो. आशा कृष्ण, डा.जेपी भट्ट, डा.कविता भट्ट, डा.धनंजय कुमार, डा. अरूण शेखर बहुगुणा आदि थे।

गढ़वाल विवि में शनिवार को कार्यक्रम में बोलतीं अखिल भारतीय महिला समन्वयक अध्यक्ष गीता ताई गुंड़े। ● हिन्दुस्तान

राष्ट्रीय सहारा, 07/03/20

गोलमेज सम्मेलन में महिलाओं के विकास पर दिया जोर

श्रीनगर/एसएनबी। अच्छे उद्यमी बनने हेतु महिलाओं में आत्मविश्वास, क्षमता विकास के लिए अनेक प्रयोगों, शिक्षण एवं प्रशिक्षण इत्यादि जरूरी है। उक्त कथन महिला दिवस पर आयोजित अखिल भारतीय महिला इनटरप्रेनियरशिप विषय पर कुलपति सभागर में आयोजित गोलमेज सम्मेलन में अध्यक्ष अखिल भारतीय महिला समन्वयक गीता ताई गुंडे ने कहा। उन्होंने उत्तराखण्ड की ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के जीवन की विविध चुनौतियों तथा समस्याओं के साथ ही इनके समाधान पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कार्यवाहक कुलपति प्रो एससी बागडी ने कहा कि विवि को ग्रामीण क्षेत्रों में आउटरीच कार्यक्रमों, कौशल विकास तथा सफल महिलाओं के जीवन अनुभवों को प्रसारित करने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए और अपने अपने विशय में महिला इन्टरप्रेन्यूर्स को प्रेरित करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव प्रो इन्दु खण्डूडी पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम को प्रो एआर नौटियाल, प्रो एसएस रावत, प्रो सीमा धवन, प्रा विनीत शर्मा, प्रो आशा कृष्ण, डा जेपी भटट आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा धनंजय कुमार, डा कविता भट्ट आदि ने विषेश सहयोग दिया।

उद्यमिता विकास को दक्षता जरूरी

श्रीनगर गढ़वाल : महिलाओं को उद्यमी बनाने का लिए आत्मविश्वास के साथ दक्षता का विकास किया जाना जरूरी है। शिक्षण और प्रशिक्षण से यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। स्किल एवं इंटरप्रिन्योरशिप पर गढ़वाल विवि के कुलपति सभागार में आयोजित गोल मेज सम्मेलन में अखिल भारतीय महिला समन्वयक मीता ताई मुंडे ने यह विचार व्यक्त किए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन की विविध चुनौतियों और समस्याओं पर भी प्रकाश डाला। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए विवि के कार्यवाहक कुलपति प्रो. एससी बागड़ी ने कहा कि उद्यमिता के क्षेत्र में सफल महिलाओं के जीवन दर्शन और उनके अनुभवों को लेकर विश्वविद्यालयों को विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करना चाहिए। सम्मेलन में यौन उत्पीड़न के दोषियों को फांसी देनी चाहिए अथवा नहीं विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने अपने विचारों को व्यक्त किया। सम्मेलन का संचालन आयोजक सचिव प्रो. इंदु पांडे खंडूड़ी ने किया। (जासं)

दैनिक जागरण
07/03/2020

अमर उजाला, 04/03/2020

क्षमता विकास पर करें फोकस: गीता ताई

श्रीनगर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में कौशल एवं उद्यमिता विषय पर गढ़वाल विवि में गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय महिला समन्वय की अध्यक्षा सुश्री गीता ताई गुंडे ने कहा कि बेहतर उद्यमी बनने के लिए महिलाओं के आत्मविश्वास, क्षमता विकास, शिक्षण व प्रशिक्षण पर ध्यान देना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यवाहक कुलपति प्रो. एससी बागड़ी ने कहा कि विवि को ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास और सफल महिलाओं की सफलता की स्टोरी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आयोजन सचिव प्रो. इंदू खंडूड़ी ने कहा कि महिलाओं को पुरुषों का अनुकरण करने के बजाय स्वतंत्र रुप से सशक्त होना होगा। सम्मेलन में प्रो. एआर नौटियाल, प्रो. एसएस रावत, प्रो. सीमा धवन, प्रो. विनीत शर्मा, प्रो. आशा कृष्ण पांडे व डा. जेपी भट्ट ने विचार व्यक्त किए। डा. धनजंय कुमार, डा. अरुण शेखर बहुगुणा व डा. कविता भट्ट ने कार्यक्रम में सहयोग किया। ब्यूरो